अमर उजाला 24/03/2023

प्रस्तुति

जीएमएन कॉलेज में आयोजित नाटक में दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय को सराहा

ऐ बोल ने पीर फकीरां दे... का किया मंचन

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। छावनी के जीएमएन कॉलेज स्थित सभागार में पंजाबी फुल लेंथ नाटक जख्म लकीरां दे, माड़े ने जख्म लकीरां दे... का मंचन किया गया। इसका मंचन कलाश्री रजिस्टर्ड व थेस्पियंस ग्रुप अंबाला के कलाकारों ने किया। यह नाटक मशहूर रंगकर्मी अशोक लहरी द्वारा लिखित व निर्देशित है। इसमें देश के बंटवारे के दौरान हुए कत्ल-ए-आम की कहानी को बड़े ही मार्मिक दृश्यों से दिखाया। नाटक की कहानी में एक मुसलमान और सिख परिवार के रिश्तों को दिखाया गया है। जो बंटवारे से पहले एक दूसरे के दुख के साथी हुआ करते थे लेकिन बंटवारे की एक लकीर ने उन्हें जानी दुश्मन बना दिया।

नाटक ऐ बोल ने पीर फकीरां दे, माड़े ने जख्म लकीरां दे... का मंचन करते कलाकार। संवाद

नाटक में दिखाया गया कि किस तरह मुस्लिम परिवार का मुख्य पात्र इकबाल जहां सरदार सतनाम सिंह के परिवार का जानी दुश्मन बन जाता है। दूसरी ओर, उसकी पत्नी शबनम जो सतनाम सिंह की बेटी सिमरन की सहेली थी, सिख परिवार के लिए अपने शौहर इकबाल का कत्ल कर देती है। वह सिमरन के नवजात बच्चे करण को लेकर कई कठिनाइयों का सामना करते हुए उसे लेकर हिंदुस्तान आ जाती है। उसे पाल पोस कर बड़ा करती है। एक दिन उसके जवान बेटे करण के हाथ उसकी मां की लिखी डायरी लग जाती है जो वो अक्सर अपनी सहेली सिमरन के नाम लिखा करती थी।

डायरी पढ़ने के बाद उसे पता चलता है कि ये मेरी असली मां नहीं है, बल्कि मेरी मां की मुसलमान सहेली है। जिसने इंसानियत की खातिर अपना सब कुछ कुर्बान करके मुझे मेरा मुल्क मेरा मजहब दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी पंचकूला के डिप्टी डायरेक्टर सरदार गुरविंदर सिंह धमीजा ने अभिनय की जमकर तारीफ की। नाटक में वरिष्ठ कलाकार एवं कलाश्री महासचिव टीएस दुग्गल, नरेश कुमार शर्मा (प्रधान थेस्पियन्स ग्रुप), सोहन सिंह, हरप्रीत सिंह, जसप्रीत कौर, पारुल ठाकुर, ऋषभ, जयकांत,गौरव गोयल, अंशिका गोयल, शगुन, शीनू द्विवेदी, केतन शर्मा, करण, उमंग गोयल ने बतौर कलाकार भाग लिया। इस नाटक में अमरजीत का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों को समान्नित किया गया।